JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

Crime against Women in Rajasthan

Mahendra Kumar Boss.

At Present Working at Rana Ugam Singh Inda Government Pg College Balesar, District Jodhpur, Rajasthan. (Assistant Professor Geography).

हाल ही में राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार महिलाओं के खिलाफ हिंसा और अत्याचार में राजस्थान देश में नंबर एक पर है। राजस्थान में साल, 2021 में 6,377 दुष्कर्म के मामले हुए जो साल 2020 के 5,310 के मुकाबले एक हजार से ज्यादा है।

दुष्कर्म के मामलों में राजस्थान ने उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश और असम जैसे राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। राजस्थान के बाद मध्यप्रदेश में दुष्कर्म के मामले दर्ज हुए। मध्यप्रदेश में साल, 2020 में 2,339 मामले थे, जबकि 2021 में ये नंबर बढ़कर 2,947 हो गए। रिपोर्ट के अनुसार साल, 2021 में उत्तरप्रदेश में 2,845 दुष्कर्म के मामले दर्ज हुए। वहीं, महाराष्ट्र में 2,496 दुष्कर्म के मामले दर्ज हुए हैं। असम में 1,733 जबकि दिल्ली में 1250 केस दर्ज किए गए।

जस्थान में दुष्कर्म और महिला हिंसा को लेकर अपराधों की संख्या बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि राजस्थान पिछले तीन साल से महिला हिंसा के मामलों में पहल नंबर पर है। प्रदेश में जनवरी, 2020 से अप्रैल, 2022 तक दुष्कर्म के 13,890 मामले दर्ज हुए हैं। इनमें से 11,307 दुष्कर्म की घटनाएं नाबालिग लड़कियों के साथ हुई है। दो से 12 साल तक की उम्र की 170 लड़कियों से दुष्कर्म के मामले सामने आए हैं। जानकारी के अनुसार सरकार ने ऐसे मामलों में 2013 में फांसी की सजा का प्रावधान किया है। जयपुर के सात पाक्सो न्यायालय में 700 मामले लंबित है।

फांसी की सजा के मामले लंबित

बूंदी के पाक्सो न्यायालयने 20 अप्रैल2022 को नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपित सुल्तान और छोटू को फांसी की सजा सुनाई थी। लेकिन सजा की पुष्टि के लिए मामला उच्च न्यायालय में लंबित है। जयपुर में साढ़े चार साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में सुरेश कुमार को 10 फरवरी,2022 को फांसी की सजा सुनाई थी। आरोपित की अपील उच्च न्यायालय में लंबित है।

झुंझुनूं के पाक्सो न्यायालय ने 17 मार्च,2021 को पांच साल की बच्ची के अपहरण और दुष्कर्म के आरोपित सुनील कुमार को फांसी की सजा सुनाई थी। मामला उच्च न्यायालय में लंबित है। झालावाड़ की पाक्सो मामलों की कोर्ट ने सात साल की बच्ची के अपहरण और दुष्कर्म के आरोपित कोमल लोढ़ा को साल,2018 में फांसी की सजा सुनाई थी,जिसे उच्च न्यायालय ने साल,2019 में उम्रकैद में बदल दी ।

अलवर के पाक्सो न्यायालय ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपित राजकुमार को फांसी की सजा सुनाई, लेकिन उच्च न्यायालय ने इसे रदद कर दिया। नागौर में भी एक बच्चे के दुष्कर्मी को फांसी नहीं हो सकी है।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान पुलिस ने पिछले दिनों एक रिकार्ड जारी कर किया था।

राजस्थान से आई यह खबर चौंकाने वाली है। लॉकडाउन के दौरान दुष्कर्म जैसे अपराध बढ़ना चिंताजनक है, क्योंकि इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था सख्त थी।

राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ आपराधिक मामले तेजी से बढ़े हैं। राज्य में पिछले छह महीने में जिस तरह से मामले सामने आए हैं वह बहुत ही हैरान करने वाले हैं। भाजपा नेता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने इसे लेकर अशोक गहलोत नीत कांग्रेस सरकार पर प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि देश में सब दूर देश का कानून चलता है, लेकिन यहां अंधा कानून चलता है।

कोरोना लॉकडाउन की वजह से पुलिस दिन–रात सड़कों पर तैनात रही, फिर भी अपराधी वारदातों को अंजाम देते रहे। राज्य में पिछले छह महीने में दुष्कर्म की वारदात में 30 फीसदी तक इजाफा हुआ। वहीं, पिछले एक महीने में 550 केस सामने आए। बीते वर्ष कुल 13 हजार 750 दुष्कर्म के केस सामने आए थे। ये वो केस हैं जो पुलिस थानों में शिकायत के बाद दर्ज हुए हैं। कुछ ऐसे मामले भी हैं जो रिकॉर्ड में ही नहीं हैं।

राजस्थान पुलिस के पिछले तीन साल के जारी महिला अपराधों के आंकड़ों के मुताबिक साल 2019 में छेड़छाड़ के कुल 3054 मामले दर्ज हुए थे, जो 2020 में कम होकर 2978 रह गए थे। हालांकि 2021 के दौरान मई तक ऐसे मामले बेतहाशा बढ़ गए और इनकी संख्या 3508 तक पहुंच गई। दुष्कर्म के मामले इस साल मई तक बेहद बढ़े हैं। 2019 में जहां 2298 और 2020 में 1807 दुष्कर्म के केस दर्ज हुए थे, वहीं इस साल मई तक यानी पांच माह में ही कुल 2461 केस दर्ज हो चुके हैं।

महिला अत्याचार के केस भी तेजी से बढ़े

महिला उत्पीड़न के मामले भी इस साल तेजी से बढ़े हैं। वर्ष 2019 मे 7058 और वर्ष 2020 में दर्ज 4103 मामलों की तुलना में वर्ष मई 2021 तक महिला उत्पीड़न के 6254 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। दहेज की वजह से हुई आत्महत्या के मामलों में भी इस साल वृद्धि हुई है। 2019 में दहेज हत्या के 176 और साल 2020 के 187 मामलो की तुलना में इस साल मई तक दहेज हत्या के 178 मामले दर्ज हुए हैं। साल 2019 में 76 और साल 2020 में 63 दहेज आत्महत्या के मामले पंजीकृत हुए थे, जबकि मौजूदा साल में अब तक कुल 86 मामले पूरे राज्य में दर्ज हो चुके हैं।

इस तरह कोरोना काल में महिला अपराध 38 फीसदी बढ़े हैं।

महिला अत्याचार में राजस्थान पहले नंबर परः राठौड़

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि पूरे देश में देश का कानून चलता है, लेकिन राजस्थान में अंधा कानून चलता है। नेशनल क्राइम ब्यूरो रिपोर्ट के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि आज महिलाओं के ऊपर अत्याचार के मामलों में दुर्भाग्य से राजस्थान देश में पहले स्थान पर पहुंच गया है जबकि दलितों पर अपराध में राजस्थान दूसरे से पहले स्थान की ओर अग्रसर है।

राजस्थान में, पिछले 6 महीने में दुष्कर्म की वारदात में 30 फीसदी तक इजाफा हुआ। वहीं, पिछले एक महीने में 550 केस सामने आए। साल 2020 में 13 हजार 750 दुष्कर्म के केस सामने आए। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो 2019 के आंकड़े देखें तो पता चलता है कि वर्ष 2018 से 2019 के बीच राजस्थान में महिलाओं के

खिलाफ अपराधों के मामलों में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सिर्फ कोरोना काल में प्रदेश में महिला अपराध का आंकड़ा 38 फीसदी तक बढ़ा है।

2018 से लगातार बढ़ रहे प्रदेश में अपराध

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने आगे कहा कि अपराधों के बढ़ते आंकड़ों का सिलसिला वर्ष 2018 से शुरू हुआ, वह वर्ष 2020 व 2021 में भी अनवरत जारी है। राजस्थान पुलिस द्वारा पेश किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2020 में 32 हजार से ज्यादा महिला अपराध दर्ज किए गए। महिला उत्पीडन के मामले में दलितों की संख्या कहीं ज्यादा है।

अलवर में दुष्कर्म के एक साथ सात मामले

हाल ही में अलवर में बलात्कार के सात मामले आए हैं। वही, राजस्थान के झालवाड़ जिले में मोची मोहल्ला निवासी दलित युवक कृष्णा वाल्मीकि की सरे राह मॉब लिंचिंग की घटना सामने आई है। हमले में दलित युवक की मौत हो गई। अगर यही घटना किसी बीजेपी शासित राज्य में हुई होती, तो सुर्खियां बन चुकी होती। राहुल, प्रियंका से लेकर दलितों के ठेकेदार भी सब मौन हैं, क्योंकि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है।

रेप के मामले में राजस्थान नंबर 1, न्‍च में महिलाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा क्राइम केस, देखें दिल्ली समेत सभी राज्यों के आंकड़े

साल 2020 में देश भर में बलात्कार के कुल 28046 मामले दर्ज किए गए, जिसमें से अकेले राजस्थान में कुल 5,310 मामले दर्ज हुए. जबकि दूसरे स्थान पर मौजूद उत्तर प्रदेश में बलात्कार के 2,769 मामले दर्ज हुए. इन दोनों राज्यों के बाद मध्य प्रदेश 2,339 मामलों के साथ तीसरे स्थान पर और महाराष्ट्र 2,061 मामलों के साथ चौथे स्थान पर रहा.

राजस्थान में साल 2020 में सबसे अधिक बलात्कार के मामले दर्ज किए हैं. इसके बाद लिस्ट में इस मामले में दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश का नाम शामिल है. इन दोनों राज्य में बलात्कार जैसे जघंन्य अपराध के मामलों की बात करें तो देशभर के कुल मामलों में करीब 30 प्रतिशत रेप केस सिर्फ इन्हीं दोनों राज्यों में दर्ज किए गए. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी साल 2020 के आंकड़ों से ये जानकारी मिली है.

साल 2020 में देश भर में बलात्कार के कुल 28046 मामले दर्ज किए गए, जिसमें से अकेले राजस्थान में कुल 5,310 मामले दर्ज हुए. जबकि दूसरे स्थान पर मौजूद उत्तर प्रदेश में बलात्कार के 2,769 मामले दर्ज हुए. इन दोनों राज्यों के बाद मध्य प्रदेश 2,339 मामलों के साथ तीसरे स्थान पर और महाराष्ट्र 2,061 मामलों के साथ चौथे स्थान पर रहा.

एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक 18 वर्ष से कम उम्र की बलात्कार पीड़िताओं की संख्या देश में 2640 रही, जबकि 18 वर्ष से ऊपर की पीड़िताओं की संख्या 25406 रही. वहीं सबसे ज्यादा मामलों वाले राजस्थान में 18 वर्ष से कम उम्र की बलात्कार पीड़िताओं की संख्या देश में 1279 रही, जबकि 18 वर्ष से ऊपर की पीड़िताओं की संख्या 4031 रही. रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान में आधे से अधिक बलात्कार के मामलों में अपराधी कथित रूप से पारिवारिक मित्र, पड़ोसी, कर्मचारी या अन्य ज्ञात लोग थे.

सबसे ज्यादा रेप केस वाले 5 राज्य

झ राजस्थान– 5310 झ उत्तर प्रदेश– 2769 झ मध्य प्रदेश– 2339 झ महाराष्ट्र– 2061 झ असम– 1657

सबसे कम रेप केस वाले 5 राज्य

झ सिक्किम– 12 केस झ नागालैंड– 4 केस झ मणिपुर– 32 केस झ मिजोरम– 33 केस झ गोवा और अरुणाचल प्रदेश– 60 केस

केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली में सबसे ज्यादा रेप

झ दिल्ली– 997 केस झ जम्मू–कश्मीर– 243 केस झ चंडीगढ़– 60 केस झ पुदुचेरी– 8 केस झ दमन दीव– 4 केस झ लक्षद्वीप– 3 केस झ लद्दाख– 2 केस झ अंडमान–निकोबार– 2 केस

बलात्कार के मामले में पहले स्थान पर काबिज राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अपराध में लगभग 16 प्रतिशत की गिरावट देखी गई. यहां महिलाओं के खिलाफ दर्ज हुए अपराधों की संख्या 34,535 रही और इस मामले में राजस्थान तीसरे स्थान पर रहा. महिलाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा आपराधिक मामलों में उत्तर प्रदेश 49,385 मामलों के साथ सबसे ऊपर है, वहीं दूसरे नंबर पर मौजूद पश्चिम बंगाल में 2020 में महिलाओं के खिलाफ दर्ज होने वाले आपराधिक मामलों की संख्या 36,439 रही.

IPC Crimes against Women (Crime Head-wise & States/UT-wise) - 2020 (Continued)

SL	State/UT	Buying of Minor Girls (Sec. 373 IPC)			Rape (Sec.376 IPC)								
					Rape (Total)			A) Women (18 Yrs. And above)			B) Girls (Below 18 yrs)		
		I	V	R	I	V	R	I	V	R	I	V	R
[1]	[2]	[60]	[61]	[62]	[63]	[64]	[65]	[66]	[67]	[68]	[69]	[70]	[71]
STATES:													
1	Andhra Pradesh	0	0	0.0	1095	1107	4.2	518	520	2.0	577	587	2.2
2	Arunachal Pradesh	0	0	0.0	60	63	8.1	31	34	4.2	29	29	3.9
3	Assam	0	0	0.0	1657	1658	9.7	1639	1640	9.6	18	18	0.1
4	Bihar	0	0	0.0	806	806	1.4	805	805	1.4	1	1	0.0
5	Chhattisgarh	0	0	0.0	1210	1212	8.3	1197	1199	8.2	13	13	0.1
6	Goa	0	0	0.0	60	61	7.8	19	19	2.5	41	42	5.3
7	Gujarat	0	0	0.0	486	486	1.5	486	486	1.5	0	0	0.0
8	Haryana	0	0	0.0	1373	1373	10.0	1373	1373	10.0	0	0	0.0
9	Himachal Pradesh	0	0	0.0	331	332	9.1	135	135	3.7	196	197	5.4
10	Jharkhand	0	0	0.0	1321	1326	7.1	1205	1210	6.5	116	116	0.6
11	Karnataka	0	0	0.0	504	507	1.5	504	507	1.5	0	0	0.0
12	Kerala	0	0	0.0	637	647	3.5	637	647	3.5	0	0	0.0
13	Madhya Pradesh	1	1	0.0	2339	2341	5.8	2329	2331	5.7	10	10	0.0
14	Maharashtra	0	0	0.0	2061	2065	3.5	2061	2065	3.5	0	0	0.0
15	Manipur	0	0	0.0	32	32	2.0	30	30	1.9	2	2	0.1
16	Meghalaya	0	0	0.0	67	67	4.1	66	66	4.1	1	1	0.1
17	Mizoram	0	0	0.0	33	33	5.5	18	18	3.0	15	15	2.5
18	Nagaland	0	0	0.0	4	4	0.4	3	3	0.3	1	1	0.1
19	Odisha	0	0	0.0	1211	1211	5.4	1194	1194	5.3	17	17	0.1
20	Punjab	0	0	0.0	502	504	3.5	440	442	3.1	62	62	0.4
21	Rajasthan	0	0	0.0	5310	5337	13.9	4031	4058	10.6	1279	1279	3.4
22	Sikkim	0	0	0.0	12	13	3.8	9	9	2.8	3	4	0.9
23	Tamil Nadu	0	0	0.0	389	390	1.0	389	390	1.0	0	0	0.0
24	Telangana	0	0	0.0	764	765	4.1	764	765	4.1	0	0	0.0
25	Tripura	0	0	0.0	79	79	4.0	79	79	4.0	0	0	0.0
26	Uttar Pradesh	0	0	0.0	2769	2796	2.5	2565	2590	2.3	204	206	0.2
27	Uttarakhand	0	0	0.0	487	487	8.8	482	482	8.7	5	5	0.1
28	West Bengal	0	0	0.0	1128	1128	2.4	1128	1128	2.4	0	0	0.0
	TOTAL STATE(S)	**1**	**1**	**0.0**	**26727**	**26830**	**4.2**	**24137**	**24225**	**3.8**	**2590**	**2605**	**0.4**
UNION TERRITORIES:													
29	A&N Islands	0	0	0.0	2	2	1.1	2	2	1.1	0	0	0.0
30	Chandigarh	0	0	0.0	60	60	10.9	14	14	2.6	46	46	8.4
31	D&N Haveli and Daman & Diu	0	0	0.0	4	4	1.1	4	4	1.1	0	0	0.0
32	Delhi	0	0	0.0	997	997	10.5	997	997	10.5	0	0	0.0
33	Jammu & Kashmir	0	0	0.0	243	247	3.8	240	244	3.8	3	3	0.0
34	Ladakh	0	0	0.0	2	2	1.6	1	1	0.8	1	1	0.8
35	Lakshadweep	0	0	0.0	3	3	9.1	3	3	9.1	0	0	0.0
36	Puducherry	0	0	0.0	8	8	1.0	8	8	1.0	0	0	0.0
	TOTAL UT(S)	**0**	**0**	**0.0**	**1319**	**1323**	**7.4**	**1269**	**1273**	**7.1**	**50**	**50**	**0.3**
	TOTAL ALL INDIA	**1**	**1**	**0.0**	**28046**	**28153**	**4.3**	**25406**	**25498**	**3.9**	**2640**	**2655**	**0.4**

Col.63=Col.66+Col.69

Col.64=Col.67+Col.70

TABLE 3A.2 Page 7 of 16

- As per data provided by States/UTs
- States/UTs may not be compared purely on the basis of crime figures

देशभर में महिलाओं के खिलाफ रेप के मामले

क्राइम रेट के मामले में दिल्ली टॉप 3 राज्यों में

साल 2020 में देश में महिलाओं के खिलाफ कुल 371503 मामले दर्ज किए गए. हालांकि, क्राइम रेट की बात करें तो टॉप तीन राज्यों में राजधानी दिल्ली का नाम भी शामिल है. असम 154.3 फीसदी क्राइम रेट के साथ राज्यों की सूची में सबसे ऊपर है. दूसरे नंबर पर 112.9 फीसदी क्राइम रेट के साथ ओडिशा और 106.4 फीसदी क्राइम रेट के साथ दिल्ली तीसरे नंबर पर है.

एनसीआरबी के डाटा के मुताबिक राजस्थान में अनुसूचित जाति के लोगों के खिलाफ अपराधों में वृद्धि देखी गई. साल 2018 में, अनुसूचित जाति के लोगों के खिलाफ राजस्थान में 4,607 मामले दर्ज हुए, जो 2019 में बढ़कर 6,794 और 2020 में 7,017 हो गए.

महिलाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा आपराधिक मामले वाले 5 राज्य

झ उत्तर प्रदेश– 49,385 झ पश्चिम बंगाल– 36,439 झ राजस्थान– 34,535 झ महाराष्ट्र– 31,954 झ असम– 26,352

महिलाओं के खिलाफ सबसे कम आपराधिक मामले वाले 5 राज्य

झ मणिपुर– 247 केस झ गोवा– 219 केस झ मिजोरम– 172 केस झ सिक्किम– 140 केस झ नागालैंड– 39 केस

हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एडीजी क्राइम रवि प्रकाश मेहरदा ने कहा कि आसान रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के कारण मामलों की संख्या बढ़ी है. उन्होंने बताया कि रेप बढ़े जरूर हैं लेकिन जांच में के बाद लगभग 42 फीसदी मामले झूठे आरोप वाले पाए जाते हैं या कभी–कभी दोनों पक्ष समझौते पर पहुंच जाते हैं.

निष्कर्ष– राजस्थान में महिला अपराध के आंकड़ों के अनुसार (राज्य महिला आयोग राजस्थान) भारी मात्रा में शिकायतें दर्ज हो रही है और जयपुर शहर अब महिला अपराध में आगे आ गया है। इसी प्रकार महिलाओं के साथ अपराध होते गये तो पूरे भारत में हमारी बहिन–बेटियां सुरक्षित नहीं रह पायेंगी।

स्त्रोत – 1. राज्य महिला आयोग जयपुर राजस्थान

2. राष्टोय महिला आयोग, नई दिल्ली, भारत